लीफान
बेंत से बनी एक मेज

LEEPHAN
A table made of cane

परिचय

ली फान (ली=बेंत, फान=मेज) का शाब्दिक अर्थ बेंत से निर्मित मेज है। इसका प्रयोग वृहद रूप से मणीपुर में पर्वतीय जनजातियों और मैदानी लोगों के द्वारा विशेषतः भोजन परोसने हेतु किया जाता है। यद्यपि लीफान कई आकार और प्रकारों में मिलता है किन्तु इसका मुख्य प्रयोजन भोजन परोसना ही है। यद्यपि राज्य की घाटी में मैतेई समुदाय अपने सामाजिक और धार्मिक जीवन के अन्य पक्षों में भी इसका उपयोग करते है। कहा जाता है कि लीफान के अत्यंत खूबसूरत और बड़े रूपों का उपयोग राजा और समुदाय प्रमुख द्वारा सम्मान और पुरस्कार देने हेतु एक संदूक के रूप में किया जाता था। प्रस्तुत प्रादर्श सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ, शिल्प तकनीक की उत्कृष्टता और मणीपुर में लीफांग के उपयोग से संबंधित सांस्कृतिक विश्वासों की व्याख्या है।

Introduction

Leephan (Lee = cane; Phan =table), literally means table made of cane. It is widely used both by the hill tribes and plain people of Manipur especially for the purpose of serving meal. Although, Leephan appears in different forms and sizes, the primary function is to serve the purpose of dining. However, the Meitei community in the valley of the state, use Leephan in other aspects of their social and religious life also. It is also said that the most beautiful and large form of Leephan s were used as a receptacle of giving honour and rewards by the King and tribal Chief. The present exhibit explains the socio-cultural relevance, excellence of craft technique and cultural beliefs concerning with the uses of Leephan in Manipur.

निर्माण तकनीक

लीफान के निर्माण में बेंत की दो विभिन्न प्रजातियाँ संरचनात्मक खाके हेतु बड़ी वाली जबकि सजावट और बांधने के लिए छोटी बेंत का प्रयोग किया जाता है। मेज के आकार के अनुसार आधार तथा मचान की ऊपरी कोर हेतु वृत्ताकार, अण्डाकार या लम्बाकार वलय शुरू में ही तय कर ली जाती है। यह निचले और ऊपरी घेरे के बीच लम्बवत् खड़ी रहकर समान बेंत से, जहां छोटी बेंत के टुकड़ों से बारीक डिज़ाइन तैयार की जाती है, को सहारा देती है। मेज का ऊपरी भाग बांस की खपच्चियों को बेंत की पतली पट्टियों से बड़े ही सुंदर ढ़ंग से आड़ा बांधकर और समान रूप से समान्तर व्यवस्थित कर तैयार किया जाता है जो कि लीफान को उसकी विशिष्ट पहचान और बुनाई का एक अनोखा डिज़ाइन प्रदान करता है।

TECHNIQUES OF CONSTRUCTION

Two different species of Cane are predominantly used; larger one for the structural frame while smaller as decorative and binding elements. Circular, Oval or Oblong shape rings for base and upper rim of the platform are set at the beginning. It is reinforced with vertically aligned uniform cane support between the lower and upper rings where intricate design is produced with the use of small cane elements. The upper platform is obtained with uniformly arranged horizontal cane or bamboo sticks which are beautifully tied with cane strips cross wise providing a unique pattern of a woven design that gives Leephan a special identity.

विश्वास और अभिक्रियाएँ / BELIEFS AND PRACTICES

- मैतेई लोगों का विश्वास है कि यदि रात में कोई टोकरी बाहर छोड़ दी जाती है तो परिजनों की आत्माएँ भी घर के बाहर ही रह जाती है। जब भी किसी परिवार में कोई महत्वपूर्ण अवसर होता है और बारिश हो रही होती है तो बारिश को रोकने के लिए एक ढीली-ढ़ाली बुनी हुई टो. करी आकाश की ओर मुंह करके रख दी जाती है (बहादुर एम. 2013)।
- जब भी कोई मैतेई लोग लीफान खरीदते है तो वह गठानों की गणना चांग (जीवन) और शी (मृत्यु) से करता है और शुभ शगुन मानकर चांग पर गांठ पूर्ण होने वाली लीफान को चुनते है।

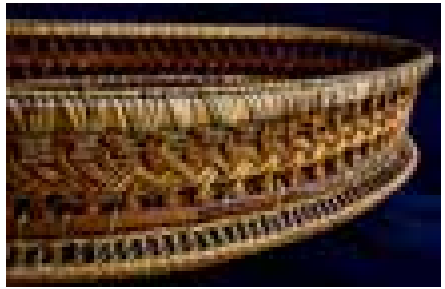

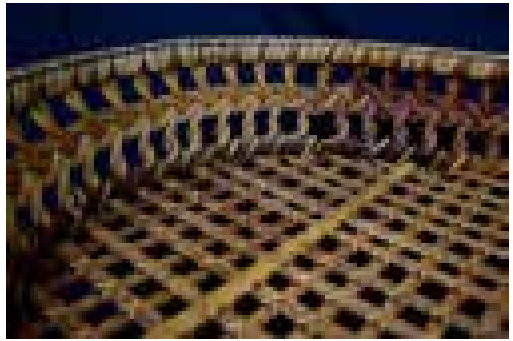

- Meiteis believed that if the basket is kept out at night, the soul of the members of the family also would lie outside the house. When an important occasion comes up for a family and it is raining, a loosely woven basket or tray is kept facing the sky to stop the rain. (Bahadur.M. 2013)
- When Meiteis buy Leephan , there is a practice to count the number of binds with Chang (life) and Shi (death). They choose the bind which ends with Chang a belief of good omen.